(ग) क्या यह भी सच है कि ड्राप्सी कांड के बाद सरसों के तेल की अत्वाधिक कमी हो गयी है तथा खाने के तेल की कीमते काफी बढ़ गई है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाये है?

खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रलयों में राज्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह यादव) : (क) और (ख) दिल्ली एवं अन्य राज्यों के अस्पतालों में ड्राप्सी से भर्ती होने वाले मामलों की कुल संख्या निम्न प्रकार से है—

दिल्ली	2556
अन्य राज्य/संघ शासित क्षेत्र	436
कुल	2992

जब्त किए गए गए स्टाक की मात्रा और उसको प्रयोग में लाये जाने के तरीके के बारे में सूचना अभी उपलब्ध नहीं है।

(ग) ड्राप्सी की घटना के बाद बाजार में सरसों के तेल, विशेषकर खुले सरसों के तेल की कमी हो गई थी। ड्राप्सी की घटना के बाद खाद्य तेलों की कीमतों में कुछ वृद्धि हुई थी तथा इससे गुणवत्ता की जांच सख्ती से की गई। फिर भी, कीमतों में पिछले एक माह में सराहनीय कमी आई है, जो निम्नवत है:—

मुंगफली का तेल	-5.6 प्रतिशत
सरसों का तेल	-12.6 प्रतिशत
पामोलीन का तेल	-6.2 प्रतिशत
सुरजमुखी का तेल	-7.0 प्रतिशत
सोयाबिन का तेल	-6.8 प्रतिशत
नारियल का तेल	-5.4 प्रतिशत
तिल का तेल	-2.1 प्रतिशत

(घ) इस समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा कुछ कदम उठाए गए है, जो निम्न प्रकार से है:—

(1) गुणवत्ता जांच के पश्चात ही बाजार में सुरक्षित खाद्य तेल उपलब्ध कराना।

(2) खाद्य तेलों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाना।

(3) ओपन- जनरल लाइसेंस (ओ.पी.एल) से खाद्य तेलों के आयात की सरकार की निति को जारी रखना।

(4) खाद्य तेलों में 25 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक आयात शुल्क में कमी करना।

(5) उपभोक्ताओं आदि को सुरक्षित खाद्य तेल की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए खाद्य तेल पैकेजिग (नियमन) आदेश, 1998 को लागू करना।

Financial Crisis in Sugar Industry

662. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister for FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the serious financial crisis in the sugar industry in the country, threatening closure of various sugar mills;

(b) if so, the details thereof;

(c) the reasons identified by Government for the prevailing situation in the sugar industry; and

(d) what remedial measures are contemplated by Government to meet the situation and to protect the industry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SATYA PAL SINGH YADAV): (a) to (c) So far, there are no reports of serious financial crisis in the sugar industry of the country threatening closure of sugar mills. However, the two apex bodies of Sugar Mills namely the Indian Sugar Mills Association and the National Federation of Cooperative Sugar Factories have represented to the Government that there has been a large inflow of imported sugar and a steep fall in international prices of sugar, and demanding an increase in the import duty on sugar to 40% from the present 5%. Some Sugar Mills have also reported that they are not able to sell their allotted quantities of freesale sugar due to over supply of sugar in the open market.

(d) Following measures have been/are being taken by the Government to help the sugar industry.

(i) In order to enable the sugar factories to sell their allocated quantity of freesale sugar, they are being granted extension in the validity periods of their release orders.

(ii) The matter of incease in the import duty on sugar is under consideration of the Government.